

SALTOC Project

Title: Madhumatī

Imprint: Udayapura : Rājasthāna Sāhitya Akādamī

OCLC: 3195624

Volume 36, number 5 (May 1996)

TOC supplied by: University of Pennsylvania Libraries

अनुक्रम

<p>प्रसंगवश : 5</p> <p>कविता :</p> <p>महेन्द्र रातड़िया अक्सर, विश्वास, समस्या 8</p> <p>यश-मालवीय दो कविताएँ 10</p> <p>श्याम गुप्ता दर्द, बारात की चूकाचूँध में 11</p> <p>महेन्द्र रंगा तीन कविताएँ 14</p> <p>जयप्रकाश सिंह बंधु हमें नहीं चाहिए/ जो डूबता चला जाता है, भीड़ में हम 15</p> <p>अजय अनुरागी इस सदी के अन्त में 18</p> <p>प्रभारानी दो कविताएँ 22</p> <p>प्रेम तन्मय कैमरा, अनसुना स्वर, सुख-दुःख, हस्तक्षेप 24</p> <p>शिवचरण सेन "शिवा" अमूल परिवर्तन, ठिठुरते रेत के कण 27</p> <p>शिशुपाल सिंह अंतस का उजास 28</p> <p>रवीन्द्र स्वधिल प्रजापति रोशनी भरे कमरे में, लू के थपेड़े 30</p>	<p>कनीनिका भटनागर मूर्तिकार 31</p> <p>आशा रानी कोरा चुप्पी और चुप्पी, अतीत का बीज 32</p> <p>निर्मला शर्मा दृष्टिबोध 34</p> <p>परेश वृक्ष-छंद 35</p> <p>सत्यदेव संवितेन्द्र आहत की इच्छाएं बुनता द्वार 37</p> <p>राजेश झा कालजयी, मौन 38</p> <p>शान्तनु कविता - 1 व 2 39</p> <p>गीत :</p> <p>देवेन्द्र आर्य बरगद की छांव, मेघ बन उस अंगन के लिए 40</p> <p>अतुल कनक अपनों का अनुमोदन, जिसे पुकारा 42</p> <p>विनीत चौहान सब तौर तरीके भूल गया 44</p> <p>रजनी कुलश्रेष्ठ गीत 45</p> <p>मधुकर गौड़ रोशनी की चोरियां 46</p> <p>तारादत्त निर्विरोध लोग छोटे हो गये, हम वहाँ भी गये 47</p>
--	--

गज़ल :		त्रिलोकीनाथ प्रेमी	
निसार मो. राही		मानुषी भाव और कविता	69
दो गज़लें	49	सुरेन्द्र विक्रम	
इक़बाल हुसैन 'इक़बाल'		छायावादी कविता का बाल -	75
दो गज़लें	50	साहित्य सृजन	
शकूर "अनवर"		चन्द्रपाल शर्मा 'शीलेश'	
गज़ल	51	काव्य में पेशबन्दी और समानान्तरता	84
उषा माहेश्वरी		तथा विचलन	
वे लोग, बंगारे सपने, यह रीत	51	शत्रुघ्न	
संसार की		हिन्दी काव्य में गुरु गोविन्द सिंह	89
रवि कुमार		राजेश कुमार व्यास	
गज़ल - 1 व 2	53	हिन्दी गज़ल के इतिहास-	94
गजेन्द्रसिंह सोलंकी		पुरुष : दुष्यंत	
मालूम न हुआ	54	समीक्षाएँ :	
प्रमोद रामावत "प्रमोद"		समीक्षक -	
गज़ल - 1 व 2	55	रमाकान्त शर्मा	
सुरेन्द्र चतुर्वेदी		पुस्तक : हिमालय नहीं है वितोशा	97
गज़ल - 1 व 2	56	शांति भारद्वाज "राकेश"	
अनुवाद कविता :		पुस्तक : गीत '95	101
रामप्रसाद दाधीच		विज्ञापियां	104
अमरुक शतक	58	आवरण :	
लेख :		श्रीनिवासन 'अय्यर'	
वीरेन्द्र सिंह			
समकालीन कविता का परिदृश्य	63		